विषयानुक्रमणिक

अ.क्र.	विश्लेषण	पान नंबर
प्रथम अध्याय :-	भारतीय ग्राम जीवन की स्थिति	1 - 27
	ग्राम की परिभाषा, विशेषताएँ,	
	ग्राम जीवन की समस्याएँ	
	भारतीय संस्कृति - ग्राम संस्कृति	
	स्वातंत्र्योत्तर ग्राम जीवन	
	निष्कर्ष	
द्वितीय अध्याय :-	ग्राम जीवन के चितेरे प्रतिनिधि उपन्यासकार	28 -68
	1) प्रेमचंद - वरदान, सेवासदन, प्रेमाश्रम, गोदान	
	2) फणीश्वरनाथ रेणु - परती परिकथा, जुलूस, दीर्घतपा	
	3) नागार्जुन - वरूण के बेटे, दु:खमोचन, उग्रतारा, पारो	
	4) रांगेय राघव - कब तक पुकारूँ, पथ का पाप, राई और पर्वत	
	5) भैरवप्रसाद गुप्त - जंजीरे और नया आदमी, सती मैया का चौरा, धरती	
	6) रामदरश मिश्र - पानी के प्राचीर, जल टूटता हुआ	
	7) राही मासूम रजा - आधा गाँव	
	8) शिव प्रसाद सिंह - अलग-अलग वैतरणी	
	[illegible]	
	निष्कर्ष	
तृतीय अध्याय :-	स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यासों में चित्रित ग्राम जीवन	69- 144
	अ) सांस्कृतिक पृष्ठभूमि - लोकगीत, लोककथा, तिज-त्यौहार, उत्सव-पर्व, रूढ़ि-प्रथा, परंपरा, विवाह संस्कार, मृतक संस्कार, मनोरंजन के साधन, निष्कर्ष।	

आ) सामाजिक पृष्ठभूमी – अंधविश्वास – भूत – प्रेत – चुडैल – डायन, झाड–फूंक सबंधी, देवी–देवताएँ, बलिप्रथा, आर्थिक स्थिति एवं व्यवसाय, शैक्षिक स्थिति, राजनीतिक संदर्भ एवं सुधार योजनाएँ, खान–पान एवं रहन–सहन, जातीय एवं गोत्रगत भेदा–भेद, जाति पंचायत, समूहभावना, शोषण, नारी की स्थिति, निष्कर्ष।

चतुर्थ अध्याय :– स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यासों में चित्रित ग्राम जीवन की समस्याएँ 145 - 207

1) अंधविश्वास की समस्या – भूत–प्रेत–चुडैल–डायन संबंधी, मंत्र–तंत्र–झाड फूंक, जडी–बुटी जादू टोणा सबंधी, शकुन, अपशकुन, पाप–पुण्य संबंधी।

2) शोषण की समस्या – जमींदारोंद्वारा, पुलिस द्वारा, अंग्रेज, धार्मिक / व्यक्ति द्वारा शोषण की समस्या, नारी शोषण।

3) जातीय भेदाभेद की समस्या ।

4) भ्रष्टाचार की समस्या ।

5) अशिक्षा की समस्या ।

6) यौन संबंधों की समस्या ।

7) अन्य विविध समस्याएँ – नशपान की समस्या, भूख, दरिद्रयता की, प्राकृतिक आपदा की समस्या ।

निष्कर्ष ।

पंचम अध्याय :– स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी के उपन्यासों में चित्रित प्रगतिवाद 208 - 225

1) प्रगतिवाद – उत्पत्ती और स्वरूप ।

2) प्रगतिवाद का उद्देश्य और उसकी विशेषता ।

3) आलोच्य उपन्यासों में प्रगतिवाद ।

(रतिनाथ की चाची, बलचनमा, गंगा मैया, बाबा बटेसरनाथ, मैला आँचल के संदर्भ में)

निष्कर्ष ।

छटा अध्याय :– उपसंहार 226 - 230

संदर्भ ग्रंथ सूची 231 - 238